राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर

राजस्थान में पशु रोग पूर्वानुमान

सितम्बर, 2018

वर्ष–15 **अंक–9**

प्रिय पशुपालक भाइयं, पशु चिकित्सकगण एवं पशुपालन विकास से जुड़े समस्त अधिकारी, कर्मचारीगण–

जैसा कि आप सभी जानते हैं कि अप्रेल, 2004 से राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर के अन्तर्गत पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर के वैज्ञानिक उपलब्ध पूर्व आँकड़ों के आधार पर मौसम आधारित पशु रोग पूर्वानुमान लगातार घोषित कर रहे हैं। इस कड़ो में पशु रोग पूर्वानुमान सितम्बर, 2018 माह का प्रस्तुत है।

सितम्बर माह के लिए निर्दिष्ट सावधानियाँ–

1. पिछले माह की तरह इस माह में भी वर्षा जल के निकास के साथ–साथ बाड़े को सूखा रखने का समुचित प्रबंधन करें।
2. पशुओं के चारे–दानें को गन्दे बरसाती पानी के संक्रमण से बचाकर रखना चाहिए ताकि अन्तः परजीवियों के संक्रमण से पशुओं को बचाया जा सके।
3. इस मौसम में अत्याधिक हरे चारे की उपलब्धता के कारण पशुओं में हरे चारे के अधिक सेवन से संबंधित समस्याओं से बचने के लिए पशुओं को बाहर खुले में चरने के लिए सीमित समय के लिए भेजे, एवं हरे चारे के साथ सूखे चारे को मिलाकर खिलावें।
4. इस मौसम में पशु के शरीर पर किसी भी प्रकार के घाव की देखभाल सही तरीके से करें अन्यथा घाव में मक्खी बैठकर अण्डे देती है और घाव में कीड़े पड़ जाते है। अतः घाव को अच्छी प्रकार से लाल दवा से धोकर, एंटीबायोटिक मलहम लगाये।
5. भेड़–बकरियों में पी.पी.आर., चेचक व फड़किया रोग की बढती सम्भावना को देखते हुए इन रोगों के टीके अवश्य लगवायें। अगर खुरपका–मुंहपका रोग का टोकाकरण नहीं कराया है तो अभी टीकाकरण करवाले।
6. वर्षा का समय लगभग खत्म हो रहा है तथा रात में मौसम ठंडा होने से छोटे पशुओं में न्यूमोनिया जैसे रागों से बचाव के लिये उन्हें रात्रि में छप्पर अथवा पेड़ के नीचे बांध।
7. संक्रामक रोग से ग्रसित पशुओं को स्वस्थ पशुआ से दूर रखे जिससे संक्रमण स्वस्थ पशुओं में ना हो।

सर्वाधिक सम्भावित संक्रामक पशु रोग पूर्वानुमान–सितम्बर, 2018

पशु रोग	पशु प्रकार	क्षेत्र
मुँह–खुरपका रोग	गौवंश, भैंस, बकरी, भेड़	बांसवाड़ा, भरतपुर, दौसा, श्रीगंगानगर, जयपुर, झुंझुनूं, धौलपुर, सवाई–माधोपुर, अलवर, बून्दी, हनुमानगढ़, चूरू, कोटा, अजमेर, बीकानेर, सीकर
तीन दिन का बुखार	गौवंश, भैंस	जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर, जयपुर, चित्तौड़गढ़, अलवर, प्रतापगढ़, बांसवाड़ा
पी.पी.आर.	बकरी, भेड, ऊंट	जयपुर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, सवाई–माधोपुर, बीकानेर, पाली, सिरोही, बूंदी, बारां
चेचक (माता रोग)	बकरी, भेड़, ऊँट	जयपुर, श्रीगंगानगर, बीकानेर, हनुमानगढ़, चित्तौड़गढ़, जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर
गलघोंटू	भैस, गावंश	हनुमानगढ़, धौलपुर, जयपुर, सवाई–माधोपुर, दौसा, टौंक, बून्दी, राजसमन्द, पाली, सीकर, चित्तौड़गढ़, श्रीगंगानगर, अलवर, झुंझुनूं, अजमेर
न्यूमोनिक पाश्चुरेलोसिस	गौवंश, भैंस, बकरी, भेड़	सीकर, सिरोही, पाली, जालोर, हनुमानगढ़, जयपुर, कोटा, बीकानेर, श्रीगंगानगर, डूंगरपुर, उदयपुर
ठप्पा रोग	गौवंश, भैंस	हनुमानगढ़, जयपुर, बीकानेर, भीलवाड़ा, पाली, राजसमन्द, प्रतापगढ़, बांसवाड़ा, नागौर
फड़किया रोग	बकरी, भेड़	सवाई–माधोपुर, बाँसवाड़ा, जयपुर, कोटा, सीकर, बीकानेर, श्रीगंगानगर, भीलवाड़ा, बारां, बूंदी, हनुमानगढ़
थाइलेरिओसिस एवं बबेसियोसिस	भैंस, गौवंश	बाँसवाड़ा, बीकानेर, बून्दी, धौलपुर, हनुमानगढ़, चूरू, सवाई–माधोपुर, श्रीगंगानगर, जयपुर, जोधपुर, सीकर, डूंगरपुर, भीलवाडा
सर्रा (तिबरसा)	ऊँट, भैंस	बांसवाड़ा, धौलपुर, हनुमानगढ़, बून्दी, सीकर, श्रीगंगानगर, जयपुर, डूंगरपुर
अन्तः परजीवी (गोल–कृमि एवं पर्ण–कृमि)	भैंस, गौवंश, भेड़, बकरी, ऊँट	डूंगरपुर, कोटा, राजसमन्द, बाँसवाड़ा, सवाई–माधोपुर, भरतपुर, बून्दी, धौलपुर, हनुमानगढ़, सूरतगढ़, सीकर, श्रीगंगानगर, भीलवाड़ा, प्रतापगढ़

विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें – प्रो. त्रिभुवन शर्मा, अधिष्ठाता, वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर, डॉ. ए.के. कटारिया, प्रभारी अधिकारी, एपेक्स सेन्टर एवं डॉ. अन्जु चाहर, विभागाध्यक्ष, जनपादकीय रोग विज्ञान एवं निवारक पशु औषध विज्ञान विभाग, वेटरनरी कॉलज, बीकानेर । फोन– 0151–2543419, 2544243, 2201183

मुद्रित सामग्री बुक पोस्ट भारत सरकार की सेवार्थ
अंक–15 (9) 2018

सेवामें

.....

.....

.....

प्रेषक –
जन सम्पर्क प्रकोष्ठ
राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर–334 001
Phone: 0151-2200805, Fax: 0151-2200805, E-mail: prcrajuvas@gmail.com
Website: www.rajuvas.org